राईस येलो मोटल वायरस

स्रोत: डाउन टू अर्थ

राइस येलो मोटल वायरस (RYMV) एक अत्यधिक संक्रामक पादप रोग है, जो **पूरे अफ्रीका** में **धान की फसलों** को बर्बाद कर रहा है, जिससे फसल **उत्पादन में भारी क्षति** हो रही है और **खाद्य सुरक्षा** के लिये एक गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहा है।

राईस येलो मोटल वायरस

- **उत्पत्ति और प्रसार:** इसका उद्गम 1800 के दशक में **तंज़ानिया के ईस्टर्न आर्क पर्वतों** में **जंगली घासों** से हुआ था। यह पहले **कलिम्बेरो घाटी** और **मोरोगोरो (तंज़ानिया)** तक विस्तारित हुआ, और फिर **उप-सहारा अफ्रीका** के विभिन्न क्षेत्रों में फैल गया।
  - हालाँकि यह **अफ्रीका में स्थानिक है**, लेकिन इसे **तुर्की** में भी रिपोर्ट किया गया है।
- **कारक एवं संचरण: यह वायरस सोबेमोवायरस** का एक सदस्य है जो अपनी **उच्च आनुवंशिक परिवर्तनशीलता के लिये जाना जाता है**, जिसके कारण यह **तेज़ी से विकसित** होता है।
- **वेक्टर में भृंग (क्राइसोमेलिडे), टिड्डे, गाय, चूहे** और **गधे** शामिल हैं।
- यह **कीट वाहकों, यांत्रिक साधनों (रस या जल के संपर्क)** और **जड़ों की चोटों (root injuries) के माध्यम से फैलता है**, लेकिन यह **बीज जनित नहीं है।**
- **लक्षण: युवा पत्तियों** पर पीले-हरे धारियाँ दिखाई देती हैं, जो **धब्बेदारता** और **पत्तियों के मुड़ने** का कारण बनती हैं। पौधों में **विकास रुक** जाता है, **पुष्पगुच्छों (पैनिकल)** का **निर्माण खराब** होता है, **प्रजनन क्षमता कम** होती है और अंततः पौधे **मर** सकते हैं।
- **चावल उत्पादन पर प्रभाव: उपज में 10% से 100%** तक की हानि होती है, **प्रारंभिक संक्रमण से अधिक क्षति** होती है।

और पढ़ें: **कुकुंबर मोजेक वायरस और RNA साइलेंसिंग**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rice-yellow-mottle-virus